कलात्मक वस्तुओं से सजा सरस मेला

सजा गांधी मैदान

- माल से नहीं घटा मेले का क्रेज
- उमड़ रही है लोगों की भीड़

जागरण संवाददाता, पटना : गांधी मैदान स्थित सरस मेले में घुसते ही मिलेंगे गोरखपुर के जितेन्द्र और राजू। इन्हें अपने मिट्टी के घोड़ों पर उतना ही गुमान है, जितना किसी को अपने असली घोड़ों पर होगा। इस 50 रुपये के घोड़े को देखे बिना लोग आगे भी नहीं बढ़ रहे हैं। घोड़े के बगल में हाथी, कछुआ, खिलौने, सजावटी आइटम भी हैं। मेले के दूसरे दिन भीड़ कुछ और बढ़ गई थी। एक ही छत के नीचे सब कुछ (मेले का कांसेप्ट) मिलने का स्लोगन देने वाले माल तो इसके आगे कहीं ठहरते ही नहीं। यहां जरूरत की कई चीजें हैं। सरस मेला है इसलिए चटपटे व्यंजनों की कमी नहीं।

आगे बढ़ने पर हबिबुल्लाह ग्रामीण विकास खादी एवं ग्रामोद्योग संघ के स्टाल पर मोहम्मद फिराक अंसारी खड़े हैं। खादी वस्त्रों की बिक्री पर कहते हैं, हम बिहार की शान हैं। जिनके नाम पर यह संस्था है, वे भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र बाबू को मसलीन मलमल पहुंचाते थे। पंडित नेहरू भी इनके मसलीन के कद्रदान थे। हम हर माह जो कमाई करते हैं, मेले में यह दोगुनी हो जाती है। किस-किस की बात करें, यहां तो हर स्टाल के हुनर की एक अलग कहानी है। पहुंचिए और आंखों से देखिए।

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। जय जय भैरवी गीत के बाद मुखौटा नृत्य, जट-जटिन नाच, फिर झूमर सहित अन्य लोकगीत का दर्शकों ने आनंद लिया। माधव सिंह राठौर, अरुण राज, राजू तिवारी, मानसी श्रीवास्तव, निहारिका, रूबी सिंह, पामेला दास गुप्ता, खुशी सिंह की प्रस्तुति मनमोहक थी। मेले में आज लगभग 396651 लाख रुपये की बिक्री हुई। मौके पर डीडीसी सीमा त्रिपाठी, डीआरडीए के निदेश खुर्शीद आलम सहित वरुण सिंह उपस्थित थे।

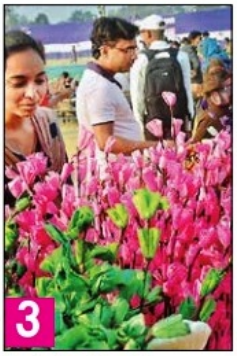

गुनगुनी धूप में मेले का लुत्फ ... 1. सोमवार को सरस मेले के स्टलों पर खरीदार दिखे। 2. बच्चों को पसंद आया माटी का घोड़ा 3. तो महिलाओं को आकर्षित करती रहीं कलात्मक वस्तुएं और फूल। 4. रंग-बिरंगी कालीन का अलग ही जलवा था। 5.सुरक्षा के लिए सबके लिए जरूरी था मेटटल डिटेक्टर से गुजरना।

अब तक का सबसे बड़ा क्षेत्रीय सरस मेला

जागरण संवाददाता, पटना : क्षेत्रीय सरस मेले को गांधी मैदान में भले ही चार साल बाद जगह मिली है, लेकिन इस बार इसके खाते में कई उपलब्धियां जुड़ेंगी। स्टाल, क्षेत्रफल, राज्यों की उपस्थिति, मनोरंजन के साधन और सुरक्षा के पैमाने पर यह अब तक का सबसे बड़ा क्षेत्रीय सरस मेला बन गया है।

स्टाल : पिछले साल सरस मेला विद्युत कालोनी मैदान पर लगा था और कुल 170 स्टाल थे। इस बार गांधी मैदान में 300 स्टाल हैं।

क्षेत्रफल : पिछले साल 1.5 लाख वर्ग फुट में मेला लगा था। इस बार 3.5 लाख वर्ग फुट में मेला लगा है। यह अब तक का सर्वाधिक है।

राज्यों की उपस्थिति : पिछले साल कुल 14 राज्यों के उद्यमी मेले में शामिल हुए थे। इस बार 18 राज्यों के उद्यमी आए हैं।

सुरक्षा : मेले के गेट पर पर ही मेटल डिटेक्टर लगा है। अंदर 32 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सुरक्षा का इतना पुख्ता बंदोबस्त इससे पहले नहीं हुआ था।

मनोरंजन : बच्चों के लिए तो बकायदा चिल्ड्रेन पार्क ही बना दिया गया है। इसमें मिकी माउस से लेकर ब्रेकडांस सहित कई झूले हैं।

ग्रामीण कलाकारों के विकास के लिए हर संभव कोशिश की गई है। इस बार मेले की थीम है-कौशल विकास।

खुर्शीद आलम, निदेशक, ग्रामीण विकास विभाग।